UGC NET Paper= 2.. Sanskrit

Filler Form

YouTube

JRF का जलवा

संस्कृत साहित्य का विशिष्ट अध्ययन

UNIT=8

Daily = 6 pm

Class = 77

By=NIDHU CHAUDHARY

B.A., M.A., P.G.D.C.A., now Ph.d purshuing

UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages
Type a message

Sanskrit UGC NET - Fil...
Quiz will start , 15 May
Sanskrit UGC NET - Fillerform
Book now your book 1st Paper
UGC NET Free Books
Paper 1st hindi / English
DOWNLOAD now

SANSKRIT BY NIDHU
Filler From
Book now your book 1st Paper
UGC NET Free Books
Paper 1st hindi / English
DOWNLOAD now
Very good

Filler Form
UGC NET Paper 1st
Teaching Aptitude
"Level of Teaching"
Quizzes
Notes
Sample Papers
UGC NET 100%
Off Free Class
Free Notes
Live Class
5000+MCQ+PYQ
Free Books
100% off
fillerform

NET Free Class
09:00 AM- GK Class
11:00 AM- Paper 1st
12:00 PM - Hindi 2nd
01:00 PM- History 2nd
02:00 PM- Paper 1st MCQ
03:00 PM- Commerce 2nd
06:00 PM- Sanskrit 2nd
07:00 PM - Short video(notes)
08:00 PM- Job/PhD update
09:00 PM- Paper 1st DI
Fillerform

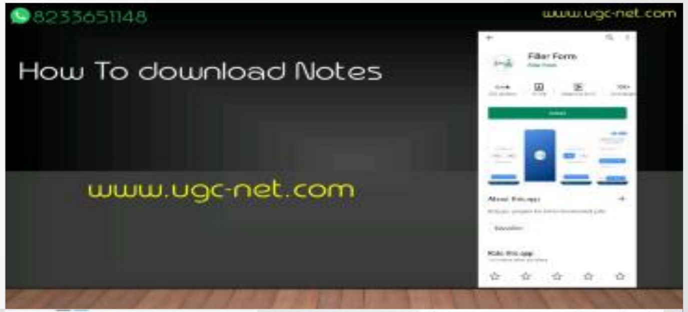
8233651148
www.ugc-net.com
How To download Notes
www.ugc-net.com
Filler Form

www.ugc-net.com
We want JRF
JRF का जलवा
We want JRF

UGC NET Giveaway
Win Books
GIVEAWAY
www.ugc-net.com
Fillerform
8209837844

PLAYLISTS
COMMUNITY
CHANNELS
Unit 5 Maths UGC NET 2022
Unit 2 Research aptitude 2022
UGC NET Sanskrit Paper 2
UGC NET Computer science 2nd paper
UGC NET - Management 2nd Paper
UGC NET Commerce Paper 2

UGC NET- Sanskrit Paper 2
Filler Form
PLAY
SHUFFLE
54 videos
Unavailable videos are hidden

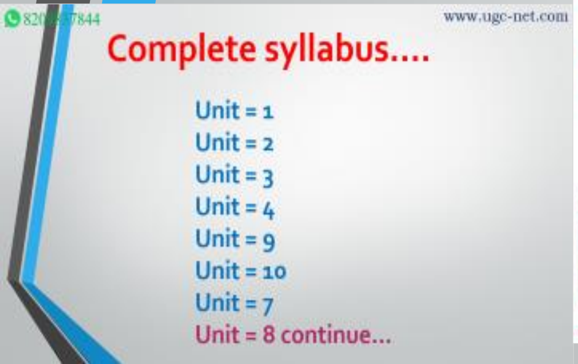
www.ugc-net.com
Complete syllabus....
Unit = 1
Unit = 2
Unit = 3
Unit = 4
Unit = 9
Unit = 10
Unit = 7
Unit = 8 continue...

UGC NET Giveaway
MAY
8
Top 10th Student
Free Books
GIVEAWAY
www.ugc-net.com
Fillerform
8209837844

UGC NET Giveaway
Free Books
MAY
1
GIVEAWAY
www.ugc-net.com
Fillerform
8209837844

UGC NET Giveaway
GIVEAWAY
www.ugc-net.com
Fillerform
8209837844

m

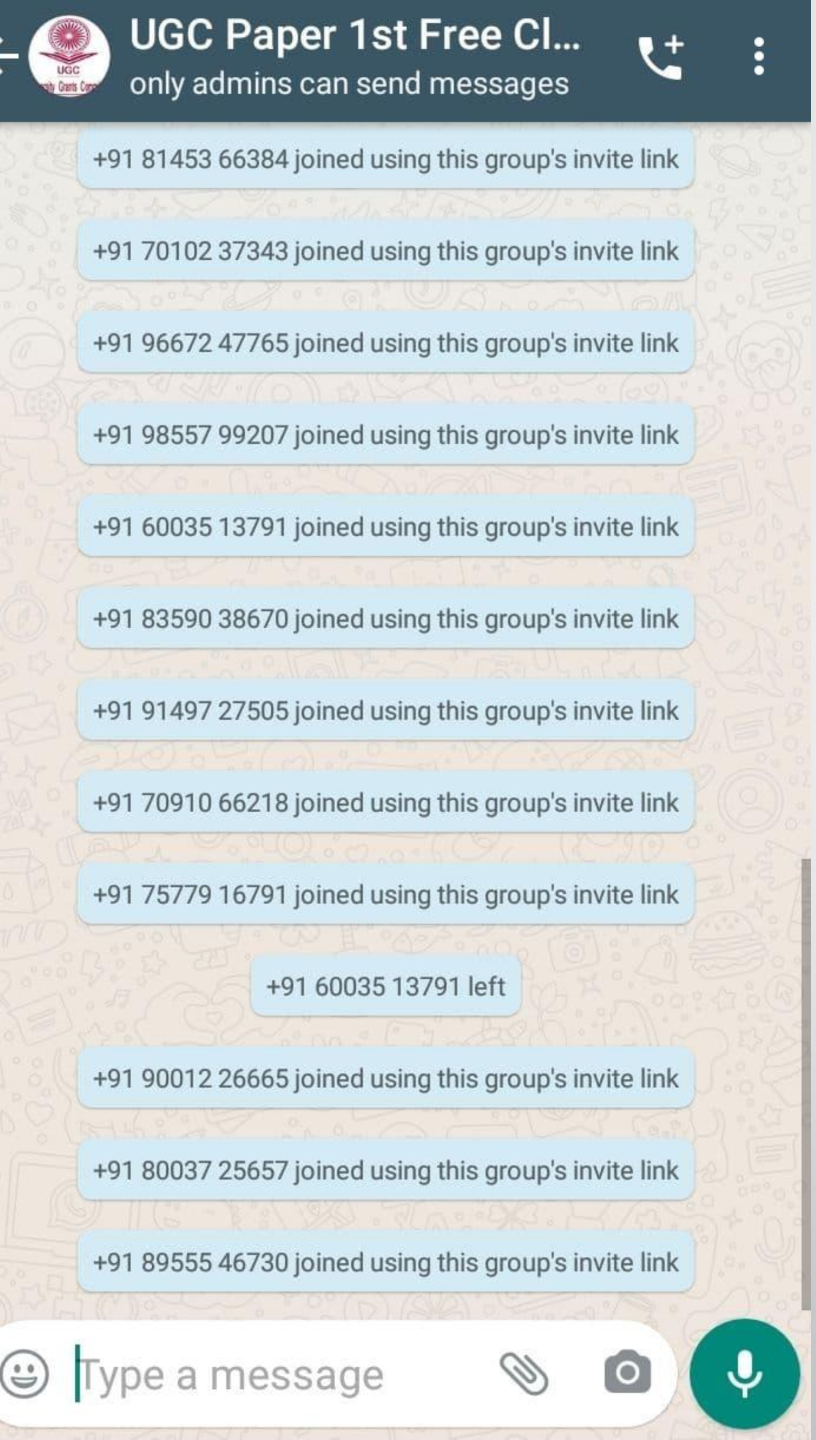
UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages
+91 81453 66384 joined using this group's invite link
+91 70102 37343 joined using this group's invite link
+91 96672 47765 joined using this group's invite link
+91 98557 99207 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 joined using this group's invite link
+91 83590 38670 joined using this group's invite link
+91 91497 27505 joined using this group's invite link
+91 70910 66218 joined using this group's invite link
+91 75779 16791 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 left
+91 90012 26665 joined using this group's invite link
+91 80037 25657 joined using this group's invite link
+91 89555 46730 joined using this group's invite link
Type a message

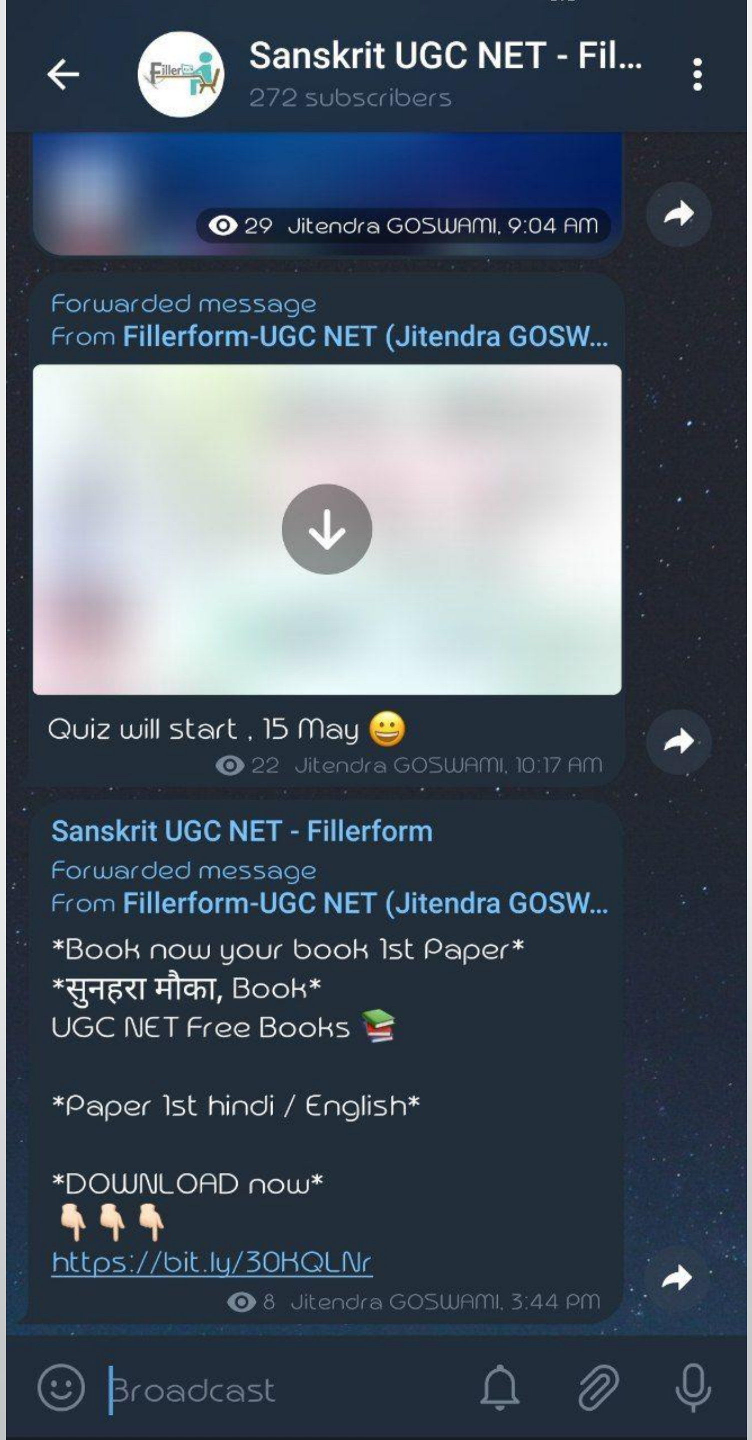
Sanskrit UGC NET - Fil...
272 subscribers
29 Jitendra GOSWAMI, 9:04 AM
Forwarded message
From Fillerform-UGC NET (Jitendra GOSW...
Quiz will start , 15 May 😀
22 Jitendra GOSWAMI, 10:17 AM
Sanskrit UGC NET - Fillerform
Forwarded message
From Fillerform-UGC NET (Jitendra GOSW...
Book now your book 1st Paper
सुनहरा मौका, Book
UGC NET Free Books 📚
Paper 1st hindi / English
DOWNLOAD now
👇👇👇
https://bit.ly/30KQLNr
8 Jitendra GOSWAMI, 3:44 PM
Broadcast

SANSKRIT BY NIDHU
25 members
MJ
2:42 PM
Fillar From
Forwarded message
From Fillerform-UGC NET (Jitendra...
Book now your book 1st Paper
सुनहरा मौका, Book
UGC NET Free Books 📚
Paper 1st hindi / English
DOWNLOAD now
👇👇👇
https://bit.ly/30KQLNr
344 Jitendra GOSWAMI, 3:44 PM
Maya Jatwa
Photo
Very good 👍 4:59 PM
Message

UGC NET 100%
Off Free Class
Filler Form
LATEST UPLOADS
UGC NET Paper 1st
Teaching Aptitude
"Level of Teaching"
11:00 AM Level Of Teaching | Teaching
11:00 AM Level Of Teaching | Teaching Aptitude By Jitendra Goswami | NET
LEARNING MATERIAL
Quizzes
Notes
Sample Papers
Free Notes
Live Class
5000+MCQ+PYQ
Free Books
100% OFF
fillerform

NET Free Class

09:00 AM- GK Class

11:00 AM- Paper 1st

12:00 PM - Hindi 2nd

01:00 PM- History 2nd

02:00 PM- Paper 1st MCQ

03:00 PM- Commerce 2nd

06:00 PM- Sanskrit 2nd

07:00 PM - Short video(notes)

08:00 PM- Job/PhD update

09:00 PM- Paper 1st DI

Fillerform

8233651148

www.ugc-net.com

How To download Notes

www.ugc-net.com

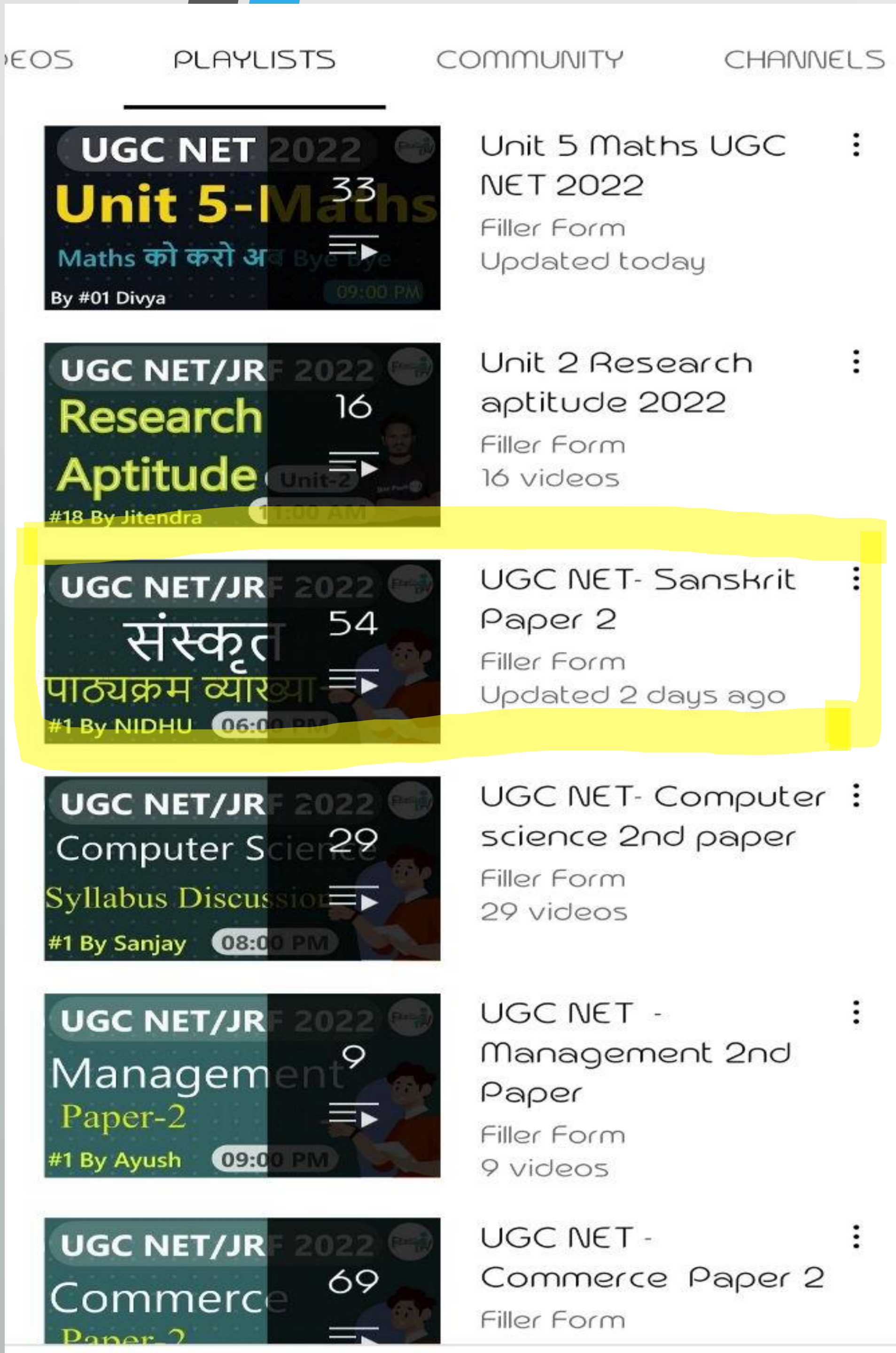

EOS
PLAYLISTS
COMMUNITY
CHANNELS
UGC NET 2022
Unit 5-Maths
Maths को करो अब Bye Bye
By #01 Divya
33
Unit 5 Maths UGC NET 2022
Filler Form
Updated today
UGC NET/JRF 2022
Research Aptitude
#18 By Jitendra
16
Unit 2 Research aptitude 2022
Filler Form
16 videos
UGC NET/JRF 2022
संस्कृत
पाठ्यक्रम व्याख्या
#1 By NIDHU
54
UGC NET- Sanskrit Paper 2
Filler Form
Updated 2 days ago
UGC NET/JRF 2022
Computer Science
Syllabus Discussion
#1 By Sanjay
29
UGC NET- Computer science 2nd paper
Filler Form
29 videos
UGC NET/JRF 2022
Management
Paper-2
#1 By Ayush
9
UGC NET - Management 2nd Paper
Filler Form
9 videos
UGC NET/JRF 2022
Commerce
69
UGC NET - Commerce Paper 2
Filler Form

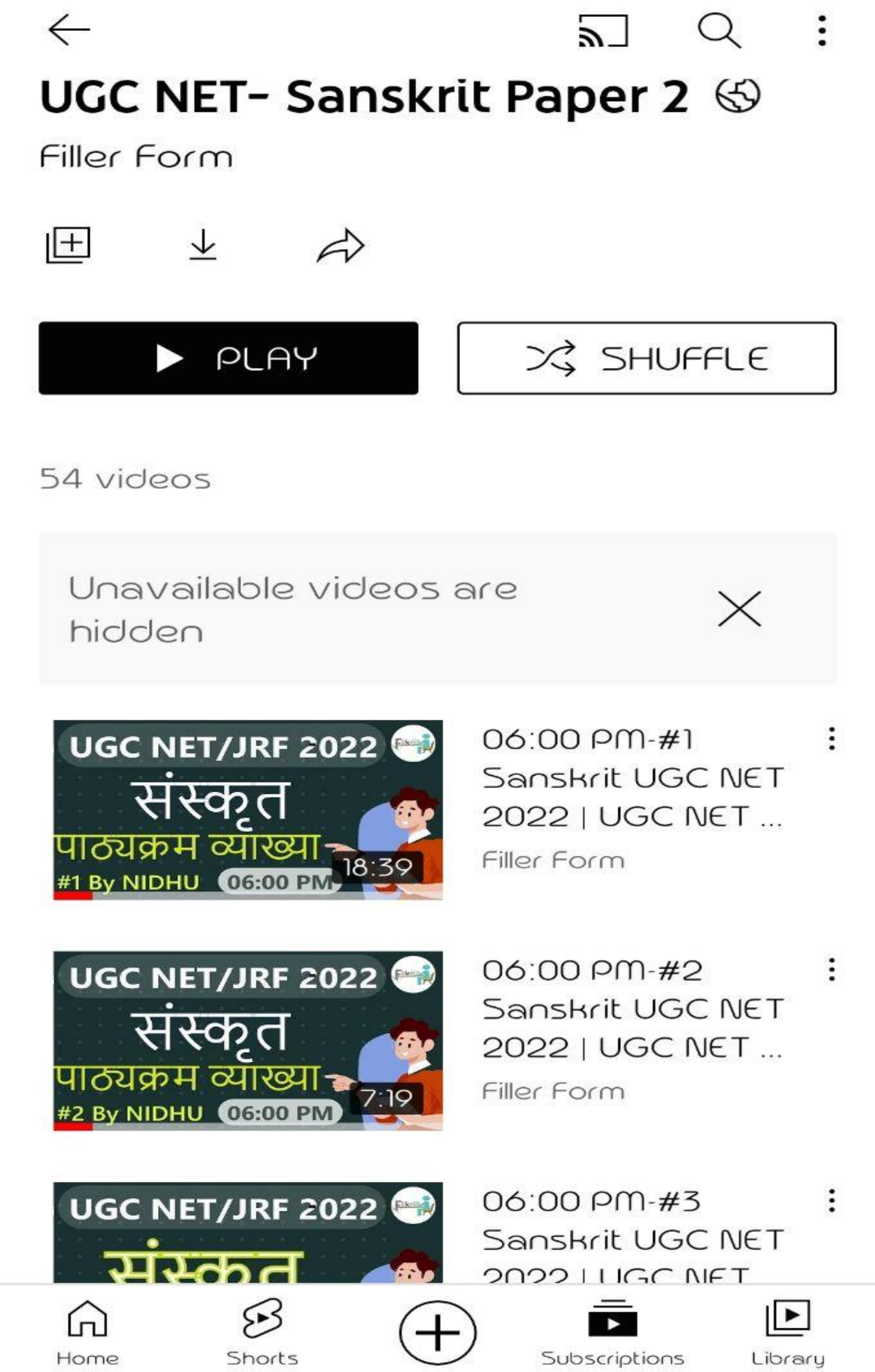

UGC NET- Sanskrit Paper 2
Filler Form
PLAY
SHUFFLE
54 videos
Unavailable videos are hidden
UGC NET/JRF 2022
संस्कृत
पाठ्यक्रम व्याख्या
#1 By NIDHU
06:00 PM
18:39
06:00 PM-#1 Sanskrit UGC NET 2022 | UGC NET ...
Filler Form
UGC NET/JRF 2022
संस्कृत
पाठ्यक्रम व्याख्या
#2 By NIDHU
06:00 PM
7:19
06:00 PM-#2 Sanskrit UGC NET 2022 | UGC NET ...
Filler Form
UGC NET/JRF 2022
06:00 PM-#3 Sanskrit UGC NET
Home
Shorts
Subscriptions
Library

UGC NET Giveaway

www.ugc-net.com Fillerform 8209837844

UGC NET Giveaway

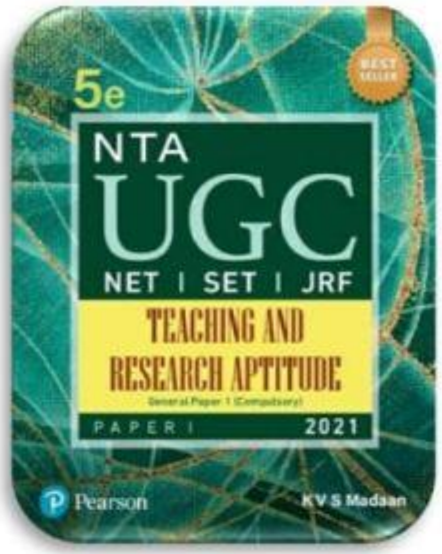

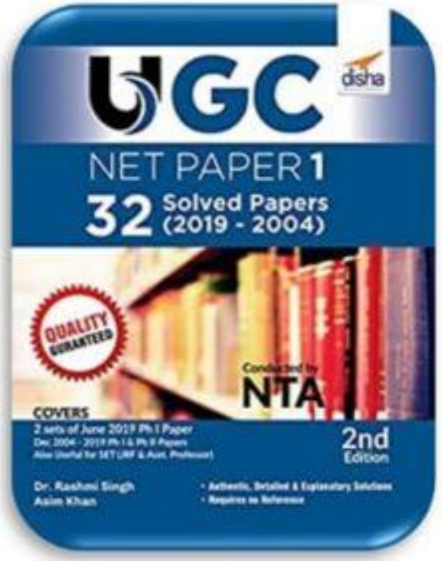

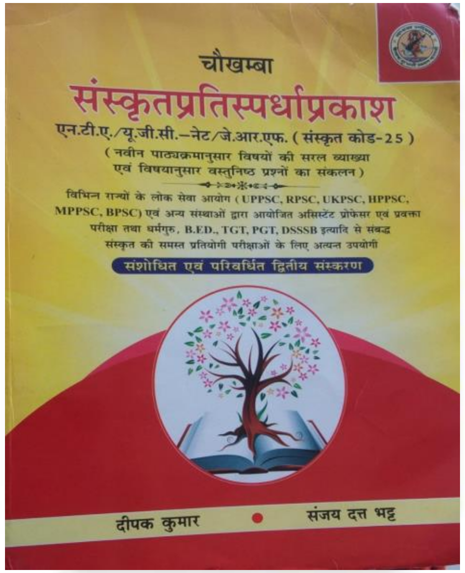

Win Books

www.ugc-net.com Fillerform 8209837844

UGC NET Giveaway

Free Books

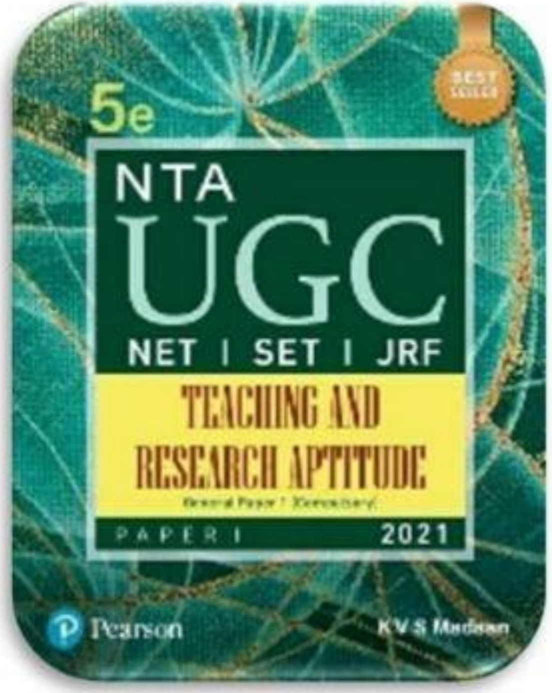

www.ugc-net.com Fillerform 8209837844

UGC NET Giveaway

Top 10th Student

Free Books

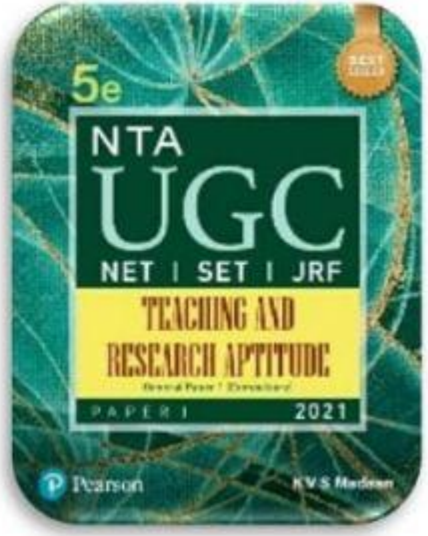

Join UGC NET Quiz

10:00 AM

Results- 10:30 PM

May
15

www.ugc-net.com

Quiz Start

UGC NET

Free Join

May 15

10,000 + Question

www.ugc-net.com

Fillerform

8209837844

8209837844

We want JRF

🎯 JRF का जलवा 🔥 🏆

We want JRF

Complete syllabus….

Unit = 1
Unit = 2
Unit = 3
Unit = 4
Unit = 9
Unit = 10
Unit = 7
Unit = 8 continue…

Today's Topic....

ईकाई-8

(ख) संस्कृतसाहित्य का विशिष्ट अध्ययन-

पद्य :

संस्कृत के प्रमुख नाटक-

8209837844

www.ugc-net.com

3. वेणीसंहार

परिचय-

भट्टनारायण की एकमात्र कृति वेणीसंहारम् है। वीर रस प्रधान यह ग्रन्थ 6 अङ्कों में विभक्त है। इसमें दुशासन द्वारा अपमानित द्रौपदी के द्वारा अपनी वेणी खोल दिए जाने पर भीम यह प्रतिज्ञा करता है कि वह दुशासन की छाती का लहु पियेगा। प्रतिज्ञा के पूर्ण हो जाने पर दुर्योधन के खून से रंगे हाथों से द्रौपदी की श्रेणी बाँधेगा। इसी घटना के आधार पर नाटक का नामकरण वेणीसंहारम् हुआ है। कथावस्तु संक्षिप्त रूप में निम्नलिखित है।

8209837844

www.ugc-net.com

कथा सारांश-

प्रथम अङ्क- भगवान् श्रीकृष्ण पाण्डवों की ओर से सन्धि का प्रस्ताव लेकर एक दूत के रूप में धृतराष्ट्र के राजदरबार में जाते हैं, परन्तु दुर्योधन कृष्ण के सन्धि प्रस्ताव का मजाक उड़ाते हुए तथा अभद्रता का प्रदर्शन करते हुए कृष्ण को बन्दी बनाना चाहता है। कृष्ण के इस अपमान से युधिष्ठिर समेत भीमादि का क्रोध पराकाष्ठा पर पहुँच जाता है।

द्वितीय अङ्क- अभिमन्युवध के अनन्तर दुर्योधन अपनी प्राणप्रिया भानुमती से मिलता है। भानुमती अपशगुन-सूचक स्वप्नदर्शन से व्यथित है। दुर्योधन अपनी विभिन्न कामक्रीड़ाओं की ओर उसका ध्यान आकृष्ट करता है। तभी भावी अमङ्गल की सूचक भयंकर आँधी आती है और दुर्योधन के रथ की ध्वजा टूट जाती है। इसी समय अर्जुन की जयद्रथ-वध की प्रतिज्ञा से घबराई जयद्रथ की माँ व पत्नी दुर्योधन के पास आकार जयद्रथ की प्राण-रक्षा की प्रार्थना करती हैं तथा दुयोधन उन्हें रक्षा का आश्वासन देता है।

8209837844 www.ugc-net.com

तृतीय अङ्क- रुधिरप्रिय राक्षस व उसकी स्त्री के संवाद से द्रुपद, भूरिश्रवा, सोमदत्त, भगदत्त, प्रभृति आदि अनेक योद्धाओं समेत द्रोणाचार्य के वध की सूचना मिलती है। द्रोणवध से अश्वत्थामा आगबबूला हो जाता है। कर्ण के बाणों से आहत हो अश्वत्थामा, कर्ण-वध को उद्यत हो जाता है। कर्ण भी लड़ाई करने पर उतारू हो जाता है, तब दुर्योधन किसी तरह दोनों को समझा-बुझाकर दूर करता है।

चतुर्थ अङ्क- दुशासन के खून का प्यासा भीम अवसर पाकर उस पर आक्रमण करता है। दुर्योधन भी कर्ण को सेनापति बनाकर स्वयं दुशासन की रक्षा हेतु आता है। उधर कर्ण भीम के प्रबल प्रहार से मूर्छित हो जाता है। मूर्च्छा दूर होने पर कर्ण के सेवक सुन्दरक से उसे दुशासन की मृत्यु का समाचार मिलता है।

8209837844
www.ugc-net.com

पञ्चम अङ्क- धृतराष्ट्र तथा गान्धारी दुर्योधन को सान्त्वना देते हुए सन्धि कर लेने का आग्रह करते हैं लेकिन दुर्योधन का उदात्त अहंकार सन्धि करने के लिये सहमत नहीं होता है। इसी समय युद्ध भूमि में भयंकर कोलाहल होता है और शल्य के मुख से कर्णवध की सूचना प्राप्त होती है। इस पीड़ा से दुयोधन मूर्च्छित हो जाता है। इसी समय दुर्योधन को ढूँढ़ते हुए भीम वहाँ पहुँचता है और दुर्योधन-उरुभंग की प्रतिज्ञा पूरी करना चाहता है। बीच में अश्वत्थामा मृत कर्ण पर आक्षेप करते हुए भीम से युद्ध करने की दुर्योधन से अनुमति माँगता है परन्तु दुर्योधन यह कहते हुए वहाँ से चला जाता है कि अब मेरे मरने के बाद अपनी अभिलाषा पूरी करना ।

8209837844

www.ugc-net.com

षष्ठ अङ्क- धर्मराज युधिष्ठिर सांयकालपर्यन्त दुर्योधन अथवा स्वयमेव आत्महत्या कर लेने की भीम की कठोर प्रतिज्ञा तथा दुर्योधन के कहीं छिप जाने से अत्यन्त चिन्तित है। तब पाञ्चालक आकर युधिष्ठिर व द्रौपदी को सूचना देता है कि सरोवर में छिपे हुए दुर्योधन को भीम ने अपने बाणों से उत्तेजित करके बाहर निकालकर भयंकर गदायुद्ध प्रारम्भ कर दिया है। इसी समय दुर्योधन का मित्र राक्षस वहाँ उपस्थित होता है और युधिष्टिर को बताता है कि गदायुद्ध में भीम मारे गए। इस दुःखद समाचार से युधिष्ठिर से विलाप करते हुए अग्नि में प्रवेश करना चाहता है, तभी दुर्योधन के लहू से युक्त भीम उपस्थित होते हैं। द्रौपदी की प्रतिज्ञा पूर्ण होती है। सभी प्रसन्न हो उठते हें तथा श्रीकृष्ण के आशीर्वादात्मक वचनों के साथ नाटक का अवसान होता है।

8209837844

www.ugc-net.com

लेखक	-	भट्टनारायण“कविमृगराज” उपाधि (725 ई.)
उपजीव्य	-	महाभारतका‘सभापर्व’,‘उद्योगपर्व’शान्तिपर्व,
नायक	-	भीम,
अंक	-	6, (209) श्लोक,
रस	-	वीर,
रीति	-	गौड़ी,

8209837844

www.ugc-net.com

॥पात्र परिचय॥

॥पुरुष पात्र॥

सूत्रधार- नटों में मुख्य (नाटक-स्थापक)

पारिपार्श्विक- सूत्रघार का सहचर

युधिष्ठिर- ज्येष्ठ-कुन्तीपुत्र,पाण्डव,

भीम- कुन्तीपुत्र, पाण्डव,

अर्जुन- कुन्तीपुत्र, पाण्डव,

नकुल- मात्रीपुत्र, पाण्डव,

सहदेव- मात्रीपुत्र,पाण्डव,

अश्वसेन- द्रोणाचार्य का रथवाहक,

कृपाचार्य- अश्वत्त्यामा का मामा

जयद्रथ- दुर्योधन का वहनोई,

सुन्दरक- कर्ण का सन्देशवाहक

8209837844 www.ugc-net.com

धृतराष्ट्र- दुर्योधन का पिता

सञ्जय- व्यास का शिष्य

श्रीकृष्ण- भगवान् वासुदेव ।

वृषसेन- महारथी कर्ण का पुत्र

राक्षस- दुर्योधन का मित्र चार्वाक ।

सूत- दुर्योधन का मित्र,

विनयंधर- कौरवों का कंचुकी ।

अश्वत्यामा- द्रोणाचार्य का पुत्र

दुर्योधन- कौरव राजा ।

पांचालक- पाण्डवों का सन्देशवाहक

रुधिरप्रिय- पाण्डव पक्षपाती राक्षस,

कर्ण- राधा (सूत की स्त्री) से परिपालित दुर्योधन का मित्र ।

8209837844

www.ugc-net.com

॥स्त्री पात्र॥

द्रौपदी- पाण्डवों की स्त्री (पांचाली) ।

बुद्धिमतिका-द्रौपदी की दासी

चेटी- द्रौपकी की दासी ।

भानुमती-दुर्योधनं की रानी

सुवदना- भानुमती की सखी ।

तरलिका- भानुमती की दासी ।

प्रतिहारी- दुर्योधन की परिचारिका ।

दुःशला - जयद्रथ की स्त्री एवं दुर्योधन की बहन ।

माता- जयद्रथ की माता ।

गान्धारी- दुर्योधन की माता

वसागन्धा- पाण्डव पक्षपातिनी राक्षसी ।

8209837844

www.ugc-net.com

4. मुद्राराक्षसम्

परिचय-

विशाखदत्त द्वारा रचित मुद्राराक्षसम् "मुद्रया जित: राक्षसः यस्मिन्"। संस्कृत साहित्य का अद्वितीय नाटक है। यह विशुद्ध कूटनीतिक राजनीति को आधार मानकर लिखा गया है। सम्पूर्ण संस्कृत साहित्य में उपलब्ध नाटकों में यही एकमात्र अपनी तरह का उपलब्ध अद्वितीय नाटक है। विषय की दृष्टि से, शैली की दृष्टि से, चरित्र-चित्रण की दृष्टि से निस्सन्देह यह एक अपूर्व नाटक है। इसमें महान् कूटनीतिज्ञ चाणक्य की प्रतिभा और षड्यन्त्र के द्वारा नन्दवंश के विनाश के उपरान्त राक्षस को वश में करने का वर्णन है। नाटक की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें नायिका व विदूषक का अभाव है और नायिका के अभाव में नायिका को आधार मानकर उद्दीप्त होने वाले प्रेम के विषय का भी सर्वथा अभाव है। चन्द्रगुप्त और मलयकेतु की प्रतिहारी शोणोत्तरा और विजया को छोड़कर सम्पूर्ण नाटक में केवल एक स्त्री पात्र है और वह है चन्दनदास की पत्नी जो अपने पुत्र के साथ सप्तम अङ्क में हमारे सामने आती है। अमात्य राक्षस की मुद्रा से यह कथा विशेष मोड़ ले लेती हैं, जो राक्षस की पराजय का कारण बनती है। अत: इसी मुद्रा के कारण इस नाटक का नाम मुद्राराक्षसम् हुआ।

कथा सारांश-

प्रथम अङ्क- चाणक्य को राक्षस के तीन विश्वासपात्र सम्बन्धियों क्षपणक जीवसिद्धि, कायस्थ शकटदास तथा मणिकार श्रेष्ठी चन्दनदास के सम्बन्ध में गुप्तचरों से सूचना मिलती है तथा राक्षस की एक मुद्रा (मुहर) भी पराजय का कारण बनती है।

द्वितीय अङ्क- यह अङ्क राक्षस की कूटनीतिक पराजय का प्रथम निदर्शन है। चाणक्य की जागरूकता के चलते चन्द्रगुप्त की हत्या की राक्षस की योजना नाकाम हो जाती है।

8209837844

www.ugc-net.com

तृतीय अङ्क- इसमें कौमुदी-महोत्सव-निषेध की ललितकथा वर्णित है, जिसमें शारदपूर्णिमा के **कौमुदीमहोत्सव** मनाने की राजाज्ञा का अनुकूल समय पर चाणक्य जानबूझकर निषेध कर देता है, जिसमें चन्द्रगुप्त चाणक्य से कपटविग्रह खड़ा करता है।

चतुर्थ अङ्क- इसमें राक्षस को अपनी विफलता का पता चलता है। राक्षस पर्वतेश्वर के पुत्र मलयकेतु से सम्पर्क स्थापित कर उसे चन्दग्रुप्त के स्थान पर नन्दवंश के सिंहासन पर बैठने की योजना बनाता है।

पञ्चम अङ्क- यह अङ्क नाटक की गर्भसन्धि है, जिसे इस कथावस्तु का क्लाइमेक्स कहा जा सकता है। मुद्रित लेख तथा आभूषण पेटिका के साथ सिद्धार्थक के पकड़े जाने से (जो चाणक्य की कूटनीति थी) मलयकेतु का विश्वास राक्षस पर से हट जाता है और वह राक्षस का विरोधी बन जाता है। राक्षस के विरोध के परिणामस्वरूप मलयकेतु अपने सहयोगियों के साथ, पकड़ लिया जाता है तथा राक्षस को पकड़ने का प्रयास जारी है।

8209837844

ww.ugc-net.com

षष्ठ अङ्क- राक्षस चन्दनदास की प्रवृत्ति जानने के लिए यहाँ पर उसे चन्दनदास की भावी मृत्युदण्ड (फॉंसी) की सजा की सूचना प्राप्त होती है।

सप्तम अङ्क- चन्दनदास को फॉंसी हेतु वधस्थान पर ले जाया जाता है, जहाँ उसकी पत्नी व पुत्र करुण-क्रन्दन कर रहे हैं। अपने मित्र को इस विपत्ति से बचाने हेतु उसका मित्र राक्षस स्वयं उपस्थित होता है तथा चाणक्य की दोस्ती स्वीकार करते हुए चन्द्रगुप्त का आमात्य बनना स्वीकार कर लेता है। इसी घटना के साथ इस नाटक का पर्यवसान होता है। यह अन्तिम घटना चाणक्य की विशाल कूटनीति, गहरीचाल तथा असाधारण बुद्धि की मनोरञ्जक व्याख्या प्रस्तुत वरती है। चाणक्य ही एक ऐसा नायक है, जो राजा या राजवंश का न होने के बाद भी भारतीय इतिहास के सर्वप्रथम सर्वप्रसिद्ध सम्राट का निर्माता तथा उसके वंश के साम्राज्य का संस्थापक है। वीर-रस-प्रधान इस नाटक की कथावस्तु का आधार विष्णुपुराण व श्रीमद्भागवत् है ।

8209837844

www.ugc-net.com

प्रमुख विवरण-

॥मङ्गलाचरण॥ (आशीर्वादात्मक)

"धन्या केयं स्थिता ते शिरसि शशिकला किं नु नामैतदस्या
नामैवास्यास्तदेतत्परिचितमपि ते विस्मृतं कस्य हेतोः।
नारीं पृच्छामि नेन्दुं कथयतु विजया न प्रमाणं यदीन्दु-
र्देव्या निह्नोतुमिच्छोरिति सुरसरितं शाठ्यमव्याद्विभोर्वः"॥

(मैंने कहा) "सिर पर यह शेखर बनकर आ बैठी (नयी) सुहागिन कौन है ?" "चन्द्र कला !" "(चन्द्र ?) क्या यही उसका नाम है ?" "नाम ही तो। अच्छा-भला तो तुम्हें मालूम था; पता नहीं तुम फिर-फिर भूल कैसे जाती हो ?" "मैं तो (स्वामी उस औरत को पूछती हूं, चन्द्र को नहीं (समझे ?) ।" "(ठीक है; अगर मेरे कहे पर) विश्वास न आता हो कि यह चन्द्र ही है, तो विजया (वह तुम्हारी सहेली) कह दे (तब तो मान जाओगी ?)"- इस प्रकार देवी (पार्वती) के सन्देह-कटाक्षों से गंगा की अभिरक्षा में आकुल भगवान् (शिव) का लास्य (वाक्-छल) तुम्हारी भी रक्षा करे ।

8209837844
www.ugc-net.com

स्तुति	-	शिव,
छन्द	-	स्रग्धरा
लेखक	-	विशाखदत्त (300-400 ई.पू.)।
		(दूसरी कृति- **देवीचन्द्रगुप्तम्**)
अङ्क	-	(7), 169 पद्य
नायक	-	चाणक्य (धीरप्रशान्त, धीरोद्धत)
प्रतिनायक	-	मलयकेतु
उपजीव्य	-	विष्णुपुराण/ श्रीमद्भागवत
अङ्गीरस	-	वीर (ऐतिहासिक नाटक)

8209837844

॥पात्र परिचय॥

शार्ङ्गरव - चाणक्य का शिष्य,

मलयकेतु - पर्वतक का पुत्र, राक्षस को अंगूठी देने वाला,

निपुणक,सिद्धार्थक,सुसिद्धार्थक,जीवसिद्धि - चाणक्य के गुप्तचर,

करभक विराधगुप्त,प्रियंवदक - राक्षस के गुप्तचर,

शकटदास - राक्षस के निजी सचिव तथा मित्र,

चन्दनदास - राक्षस के मित्र,

वैरोचक बर्बरक - पर्वतेश्वर के भाई,

भागुरायण - मलयकेतु का कपटी मन्त्री, चाणक्य का गुप्तचर,

जीवसिद्धि(भदन्त) -क्षपणक वेशधारी चाणक्य का गुप्तचर,राक्षस का कपटीमित्र,

8209837844

राक्षस के परममित्र राजा- (5)

चित्रवर्मा - कुलूल देश का अधिपति।

सिंहनाद - मलय देश।

पुष्कराक्ष - काश्मीर देश।

सुषेण - सिन्धुराज,

मेघनाद - पारसीक देश।

8209837844

www.ugc-net.com

अंक संज्ञा -

अङ्क	संज्ञा
प्रथम अङ्क	मुद्राप्राप्तिः
द्वितीय अङ्क	राक्षसविचारः (भूषणविक्रय)
तृतीय अङ्क	कृतककलहः (कृतककोपवृत्तान्त)
चतुर्थ अङ्क	राक्षसोद्योगः (प्रलोभन)
पञ्चम अङ्क	कूटलेखः
षष्ठ अङ्क	कपटपाशः
सप्तम अङ्क	निर्वहणम्

Next class....

संस्कृत के प्रमुख नाटक-

Home work ....

Feedback Send me On Telegram Group...

This Group.. = SANSKRIT BY NIDHU

This link..= https://t.me/+TfoY7528c8UoMmFl

WE WANT
YOUR
FEEDBACK

LIKE
& SHARE

For More Information....

www.ugc-net.com

/Fillerform

/Fillerform

/Fillerform

info@fillerform.com

8209837844

8209837844

thank you